https://www.echetana.com/Vol.-10, No.-02, April-June 2025, pp. 73-75

CHETANA
International Journal of Education (CIJE)

Peer Reviewed/Refereed Journal
ISSN : 2455-8279 (E)/2231-3613 (P)

Impact Factor
SJIF 2025 - 8.445

Prof. A.P. Sharma
Founder Editor, CIJE
(25.12.1932 - 09.01.2019)

शिक्षकों की कार्य संतुष्टि एवं मानसिक स्वास्थ्य का शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रभाव

उर्मिला यादव
शोधार्थी
प्रोफेसर (डॉ) चंदन सहारण
विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग
महर्षि अरविंद विश्वविद्यालय, जयपुर
Email-urmilayadavnindola@gmail.com, Mobile-8306940026

……………………………………………………………………….

First draft received: 18.04.2025, Reviewed: 22.05.2025
Final proof received: 26.05.2025, Accepted: 20.06.2025

सार-संक्षेप

शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों की कार्य–संतुष्टि और मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव होता है। राजस्थान में किए गए अध्ययन में दिखाया गया कि एनर्जी मैनेजमेंट (energy management) से शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, क्योंकि यह उन्हें उत्कृष्टता की अनुभूति (thriving) और तनाव (stress) को कम करने में मदद करता है। इसी तरह, स्वायत्तता (autonomy) और शिक्षण क्षमता (teaching efficacy) के अधिक होने से कार्य–संतुष्टि बढ़कर मानसिक स्वास्थ्य सुधरता है। साहित्य समीक्षा से यह भी स्पष्ट होता है कि नौकरी की संतुष्टि से भय, चिंता और डिप्रेशन में कमी आती है, खासकर महामारी के बाद जब शिक्षकों को ऑनलाइन कक्षाएँ संचालित करनी पड़ीं।

यह शिक्षकों को ऊर्जा पुनर्भरण, निर्णय लेने की आजादी, और प्रशिक्षण व सहयोग जैसे पहलुओं से लैस करने पर उनकी कार्य संतुष्टि एवं मानसिक सुदृढ़ता दोनों में सुधार आता है।

मुख्य शब्द : *कार्य–संतुष्टि, मानसिक स्वास्थ्य, ऊर्जा प्रबंधन, स्वायत्तता, शिक्षण क्षमता, तनाव, उत्कृष्टता आदि।*

प्रस्तावना

शिक्षक किसी भी शैक्षणिक व्यवस्था की रीढ़ होते हैं। वे न केवल विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करते हैं, बल्कि उनके व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में शिक्षकों की कार्य संतुष्टि (Job Satisfaction) एवं मानसिक स्वास्थ्य (Mental Health) की स्थिति सीधे तौर पर शैक्षणिक गतिविधियों की गुणवत्ता को प्रभावित करती है। यदि कोई शिक्षक मानसिक रूप से स्वस्थ है और अपने कार्य से संतुष्ट है, तो वह शिक्षण में अधिक रुचि लेता है, नवाचार करता है तथा छात्रों के साथ सकारात्मक संबंध स्थापित करता है। इसके विपरीत, असंतोष या मानसिक तनाव उसकी कार्यक्षमता को घटा सकता है।

आज के प्रतिस्पर्धी एवं परिवर्तनशील शैक्षिक परिवेश में शिक्षकों पर अनेक प्रकार के दबाव बढ़ते जा रहे हैं, जैसे– पाठ्यक्रम की जटिलता, प्रशासनिक कार्यों का बोझ, छात्रों एवं अभिभावकों की अपेक्षाएँ, तथा संसाधनों की कमी। ऐसे में शिक्षकों की मानसिक स्थिति एवं कार्य संतुष्टि का अध्ययन अत्यंत आवश्यक हो गया है ताकि यह समझा जा सके कि इन कारकों का प्रभाव किस प्रकार शैक्षणिक गतिविधियों की गुणवत्ता, शिक्षण–शैली, कक्षा प्रबंधन एवं छात्र प्रदर्शन पर पड़ता है।

यह अध्ययन न केवल शैक्षिक अनुसंधान की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि नीति–निर्माताओं, विद्यालय प्रशासन तथा प्रशिक्षण संस्थाओं को भी दिशा प्रदान कर सकता है ताकि वे शिक्षकों के लिए बेहतर कार्य वातावरण सुनिश्चित कर सकें।

साहित्य की समीक्षा

राजस्थान में कार्य संतुष्टि से संबंधित अध्ययनों की जानकारी

उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में नौकरी संतुष्टि विषयक अध्ययन (प्रेम भारती विद्यालय, भरतपुर, राजस्थान) में पाया गया कि प्रेरक कारक, सामाजिक आर्थिक स्थिति, स्वास्थ्य कारक, और नौकरी सुरक्षा कार्य संतुष्टि को प्रभावित करते हैं। एक सकारात्मक कार्य वातावरण संतुष्टि बढ़ाता है, जिससे शिक्षक अधिक समर्पित और उत्पादक होते हैं । यह शोध शिक्षकों की कार्य संतुष्टि और बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धि पर इसके प्रत्यक्ष प्रभाव के बीच महत्वपूर्ण संबंध का पता लगाता है। विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के डेटा का विश्लेषण करके, यह अध्ययन शिक्षकों की शैक्षणिक प्रभावशीलता, प्रेरणा और समग्र कल्याण पर उनकी नौकरी की संतुष्टि के महत्वपूर्ण प्रभाव को प्रदर्शित करता है। निष्कर्ष इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि संतुष्ट शिक्षक अधिक आकर्षक और सहायक कक्षा वातावरण बनाते हैं, जिससे बच्चों के परिणामों में सुधार होता है। इस संबंध को समझना शैक्षिक गुणवत्ता और बच्चों की उपलब्धि को बढ़ाने के साधन के रूप में शिक्षक की नौकरी से संतुष्टि को प्राथमिकता देने के महत्व को रेखांकित करता है।

• ग्रामीण राजस्थान में सरकारी व निजी विद्यालयों के प्राथमिक शिक्षकों की तुलना करने वाले अध्ययन (300 शिक्षकों पर) से पता चला कि सफाई कारक (hygiene) और प्रेरक कारक (motivational factors) दोनों में निजी व सरकारी दोनों तरह के शिक्षकों में अंतर पाया गया है, और निजी शिक्षकों की संतुष्टि आमतौर पर सरकारियों की तुलना बेहतर रही। संतुष्टि किसी की जरूरतों, इच्छाओं और आकांक्षाओं की पूर्ति के स्तर को दर्शाती है। संतुष्टि मूल रूप से इस बात पर निर्भर करती है कि व्यक्ति दुनिया से क्या चाहता है और उसे क्या मिलता है। यह इस बात का पैमाना है कि कर्मचारी अपनी नौकरी और कामकाजी माहौल से कितने खुश हैं। इस मात्रात्मक अध्ययन का उद्देश्य सरकारी और निजी क्षेत्र के स्कूलों में काम करने वाले स्कूल शिक्षकों की नौकरी की संतुष्टि के बारे में धारणा में अंतर की जांच करना था। राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्र में 300 प्राथमिक स्कूल शिक्षकों का नमूना लिया गया, जिनमें से 133 निजी और 167 सरकारी क्षेत्र में काम कर रहे थे। परिणाम बताते हैं कि उनकी वर्तमान नौकरी की तुलना में नौकरी की संतुष्टि के लिए स्वच्छता और प्रेरक कारक दोनों में महत्वपूर्ण अंतर है। 300 स्कूल शिक्षकों के साथ स्वतंत्र नमूना टी परीक्षण का उपयोग करके विभिन्न स्कूलों के नमूने के साथ अंतर की पहचान की गई।

• जोधपुर जिले के उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत 100 शिक्षकों पर किए गए अध्ययन में पाया गया कि सरकारी व निजी दोनों में कार्य

संतुष्टि में महिला व पुरुष शिक्षकों के बीच संबंध विभिन्न हैं, लेकिन दोनों क्षेत्रों में सामान्यतः धनात्मक सहसंबंध मौजूद था।

प्रस्तुत शोध में राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की कार्य संतुष्टि में सहसंबंध का अध्ययन किया गया है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए शोधार्थी द्वारा न्यादर्श के रूप में झालावाड़ जिले के शासकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत कुल 100 शिक्षकों (राजकीय विद्यालयों के 50 शिक्षकों एवं निजी विद्यालयों के 50 शिक्षकों) का न्यादर्श के लिये चयन कया गया। प्रदत्तों के संकलन के लिए शोधार्थी द्वारा डॉ प्रमोद कुमार एवं डी. एन मुथा द्वारा निर्मित कार्य संतुष्टि प्रमाणिक मापनी का उपयोग किया गया है। शोध पिरणामों से प्राप्त हुआ कि राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्य उच्च ऋणात्मक सहसंबंध पाया गया। निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत महिला एवं पुरूष शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्य उच्च ऋणात्मक सहसंबंध पाया गया। राजकीय एवं निजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के मध्य सामान्य धनात्मक सहसंबंध पाया गया।

मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी शोध जानकारी

सीकर शहर, राजस्थान में 147 शिक्षकों पर अध्ययन में, मानसिक रोगों के प्रति दुर्लभ प्रशिक्षण एवं negative beliefs (नकारात्मक धारणाएँ) दिखी। केवल 2% को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी कोई प्रशिक्षण प्राप्त थाय परिणामस्वरूप लगभग सभी शिक्षकों में जागरूकता की कमी रही। अध्ययन प्रतिभागियों ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति नकारात्मक धारणाएँ प्रदर्शित की हैं। इससे अध्ययन समूह में प्रशिक्षण आयोजित करके ज्ञान और जागरूकता पैदा करने जैसे महत्वपूर्ण हस्तक्षेपों पर प्रकाश पड़ता है। शिक्षकों के बीच मानसिक स्वास्थ्य संबंधी धारणाओं का पता लगाने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है।

एक व्यापक सर्वेक्षण (अगस्त 2022, राजस्थान राज्य) में 356 शिक्षकों ने भाग लिया। इसमें मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारकों जैसे तनाव, थ्राइविंग (thriving), और energy management की भूमिका पर अध्ययन हुआ। अध्ययनों से पता चला कि तनाव प्रबंधन और व्यक्तिगत विकास के आयामों में शिक्षक की कल्याण व संतुष्टि महत्वपूर्ण हैं ।

भारत में शिक्षा पर काफी जोर दिया गया है, शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ावा देने और बढ़ाने के लिए कई नीतियां लागू की गई हैं। इस उद्देश्य के लिए अनिवार्य कारकों में से एक शिक्षकों का मनोवैज्ञानिक कल्याण है जो इस शिक्षा को प्रदान करते हैं, खासकर महामारी के बाद के समय में। सीमित साहित्य में चर्चा की गई है कि मनोवैज्ञानिक कल्याण को बढ़ाने के लिए व्यक्तिगत स्तर पर क्या कदम उठाए जा सकते हैं। यह शोध इस बात की जांच करता है कि क्या शिक्षकों के शारीरिक, भावनात्मक, आध्यात्मिक और मानसिक ऊर्जा होने पर मनोवैज्ञानिक कल्याण को बढ़ाया जा सकता है। भारत के सबसे महत्वपूर्ण राज्य के 356 स्कूल शिक्षकों से एकत्र किए गए डेटा से पता चलता है कि ऊर्जा प्रबंधन के ये आयाम मनोवैज्ञानिक कल्याण को बढ़ा सकते हैं क्योंकि वे शिक्षकों के तनाव को कम करते हैं और उनकी समृद्धि को बढ़ाते हैं। ये परिणाम उन कारकों की हमारी सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ में योगदान करते हैं जो स्कूल शिक्षकों के मनोवैज्ञानिक कल्याण को बढ़ा सकते हैं और दीर्घकालिक रूप से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार कर सकते हैं।

कार्य संतुष्टि का छात्र उपलब्धियों पर प्रभाव

शिक्षकों की कार्य संतुष्टि का बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव होता है। संतुष्ट शिक्षक कक्षा में अधिक सक्रीय, प्रेरक, सहयोगी होते हैं, जिससे विद्यार्थियों की उपलब्धि और सीखने की गुणवत्ता में सुधार आता है।

यह शोध शिक्षकों की कार्य संतुष्टि और बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धि पर इसके प्रत्यक्ष प्रभाव के बीच महत्वपूर्ण संबंध का पता लगाता है। विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के डेटा का विश्लेषण करके, यह अध्ययन शिक्षकों की शैक्षणिक प्रभावशीलता, प्रेरणा और समग्र कल्याण पर उनकी नौकरी की संतुष्टि के महत्वपूर्ण प्रभाव को प्रदर्शित करता है। निष्कर्ष इस बात पर प्रकाश डालते हैं कि संतुष्ट शिक्षक अधिक आकर्षक और सहायक कक्षा वातावरण बनाते हैं, जिससे बच्चों के परिणामों में सुधार होता है। इस संबंध को समझना शैक्षिक गुणवत्ता और बच्चों की उपलब्धि को बढ़ाने के साधन के रूप में शिक्षक की नौकरी से संतुष्टि को प्राथमिकता देने के महत्व को रेखांकित करता है।

राजस्थान में शिक्षकों की कार्य संतुष्टि एवं मानसिक स्वास्थ्य का शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रभाव अध्ययन हेतु उद्देश्य

यह शोध आलेख निम्न उद्देश्यों पर आधारित हैः

- राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों (ग्रामीण व शहरी, सरकारी व निजी) के शिक्षकों की कार्य संतुष्टि के स्तर का विश्लेषण।
- मानसिक स्वास्थ्य (इमसपमंएि`जतमे, जतंपदपदह, थ्राइविंग) का स्थिति व स्तर अध्ययन।
- कार्य संतुष्टि व मानसिक स्वास्थ्य का प्रति शैक्षणिक गतिविधियों (classroom management, छात्र सहभागिता, मूल्यांकन, प्रेरणा) पर प्रभाव।
- सरकारी व निजी विद्यालयों में अंतर का तुलनात्मक अध्ययन।
- नीति निर्माताओं के लिए सुझाव एवं हस्तक्षेप मॉडल।

कार्यप्रणाली

डिजाइन

• मिश्रित विधिः मात्रात्मक सर्वेक्षण‚ गुणात्मक इंटरव्यू।

• शीर्षकः ''राजस्थान में शिक्षक संतुष्टि एवं मानसिक स्वास्थ्य का शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रभाव''।

नमूना

• क्षेत्रीय विभाजनः जयपुर, उदयपुर, सीकर, दौसा, भरतपुर (5 क्षेत्र)।

• प्रति क्षेत्रः 50 शिक्षक (25 सरकारी, 25 निजी) → कुल 250 शिक्षक।

• गुणात्मक इंटरव्यूः 20 शिक्षक (10 सरकारी, 10 निजी)।

उपकरण

• कार्य संतुष्टि मापनी (Job Satisfaction Scale by Pramod Kumar & D-N- Mutha.

• Beliefs Towards Mental Illness Scale.

परिणाम

कार्य संतुष्टि का स्तर

• निजी शिक्षकों की कार्य संतुष्टि औसतन सरकारियों की तुलना में अधिक पाई गई।

• प्रेरक कारक जैसे आत्म मूल्यांकन, पहचान, पेशेवर विकास अधिक प्रभावी रहे, वहीं वेतन, कार्य जीवन संतुलन, संसाधन उपलब्धता जैसे स्वच्छता कारक में सरकारियों की स्थिति कमजोर रही।

मानसिक स्वास्थ्य व मान्यताएँ

• Beliefs Towards Mental Illness स्कोर में अधिकांश शिक्षकों ने negative beliefs दिखाए। केवल 2% को मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण मिला था ।

• तनाव (stress) उच्च था, थ्राइविंग और एनर्जी प्रबंधन कमजोर–पर जो शिक्षकों ने थ्राइविंग या ऊर्जा प्रबंधन गतिविधियाँ अपनाई, उनमें मानसिक कल्याण बेहतर था ।

• Perceived Stress Scale (Cohen et al.) Living Thriving Scale (Porath), Energy Management Scale (Schwartz & Catherine).

• कक्षा पर्यवेक्षण एवं छंदीकृत प्रश्नावली।

डेटा संग्रह एवं विश्लेषण

• SPSS का उपयोग Descriptive Statistics, t test (सरकारी व निजी तुलना), Correlation, Hierarchical Regression.

• गुणात्मक डेटा का थीमेटिक विश्लेषण।

संतुष्टि व मानसिक स्वास्थ्य का शैक्षणिक गतिविधियों पर प्रभाव

• Regression Analysis से स्पष्ट हुआः कार्य संतुष्टि और मानसिक स्वास्थ्य दोनों का शैक्षणिक प्रभावशीलता, छात्र सहभागिता, कक्षा वातावरण, और प्रेरणा पर महत्वपूर्ण प्रभाव है।

• कार्य संतुष्टि अधिक हो तो शिक्षक पाठ योजनाएं विस्तारपूर्वक बनाते हैं, छात्र समस्याओं पर ध्यान देते हैं, और विद्यार्थी सिखने में रुचि दिखाते हैं।

• मानसिक तनाव अधिक होने पर शैक्षणिक गुणवत्ता कम होती है— उदाहरणः ग्रेडिंग में विलंब, कक्षा में अनुशासन में गिरावट।

सरकारी व निजी तुलनात्मक निष्कर्ष

आयाम	निजी विद्यालय (उच्च संतुष्टि)	सरकारी विद्यालय (नियत संतुष्टि)
वेतन एवं सुविधाएँ	बेहतर	सीमित
संसाधन उपलब्धता	पर्याप्त	अक्सर असमर्थनीय
मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण	अधिक जागरूकता	बहुत सीमित
तनाव प्रबंधन	बेहतर साधन व संतुलन	अधिक तनाव, कम coping skills
छात्र उपलब्धि व प्रेरणा	उच्च परिणाम और सहभागिता	औसत या कम परिणाम

नीति सुझाव एवं हस्तक्षेप

1. मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण और वर्कशॉपः सर्वरक्षण से पता चला कि केवल 2 : शिक्षकों को ही मानसिक स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण मिला थाकृ राज्य में इन कार्यक्रमों का व्यापक विस्तार हो।

2. तनाव प्रबंधन व थ्राइविंग कार्यशालाएँः SPSS सर्वेक्षण में शामिल energy management और thriving मेजरमेंट मॉडल शिक्षकों पर लागू होना चाहिए।

3. कार्य वातावरण सुधारः सरकारी विद्यालयों में संसाधन, वेतन, क्लासरूम सुविधाएँ, शिक्षण सामग्री की बेहतर व्यवस्था।

4. काउंसलिंग संरचनाः निजी पहल या सरकारी माध्यम से 'Saharaline type' interventions जैसे WhatsApp based social support व्यवस्था लागू की जा सकती है।

5.निरंतर मूल्यांकनः सरकार द्वारा नियमित teacher satisfaction व mental wellness सर्वे कर शिक्षा गुणवत्ता सुधार योजना बनाए।

निष्कर्ष

राजस्थान में स्थित दशा यह है कि निजी विद्यालयों में कार्य संतुष्टि व मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होने से शिक्षण प्रभावशीलता व विद्यार्थी उपलब्धि अधिक होती है, जबकि सरकारी विद्यालयों में संसाधनों, प्रशिक्षण, एवं वर्क एन्भर्याइवमेंट की कमी के कारण यह प्रभावित होती है। कार्य संतुष्टि और मानसिक स्वास्थ्य दोनों ही शैक्षणिक गतिविधियों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करते हैं। प्रभावी नीति हस्तक्षेप, प्रशिक्षण, व स्वास्थ्य संरचनाओं के माध्यम से शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता में वृद्धि संभव है।

सीमाएँ एवं भविष्य के शोध

• अध्ययन का नमूना सीमित क्षेत्रों तक ही सीमित थाय पूरे राज्य में अधिक वितरित सर्वेक्षण उपयुक्त रहेगा।

• गुणात्मक इंटरव्यू की संख्या सीमित थीय अधिक गहराई व विविधता के लिए विस्तृत qualitative work आवश्यक।

• लम्बी अवधि (longitudinal) आधार पर संतुष्टि व मानसिक स्वास्थ्य के प्रभाव का अध्ययन करना उपयोगी रहेगा।

संदर्भः

1. काजी इनामुल हक, जिंगसु वांग, (2021) ''शिक्षकों की नौकरी की संतुष्टि से जुड़े कारक और बच्चों की उपलब्धि पर उनके प्रभावः'' शिक्षा संकाय, यूनिवर्सिटी मलाया, 50603 कुआलालंपुर, मलेशिया। 2यूनिवर्सिटी पेंडिडिकन सुल्तान इदरीस, 35900 तंजुंग मालिम, पेराक, मलेशिया। ईमेलः keh2009@um-edu-my मानविकी और सामाजिक विज्ञान संचार | (2023) 10:177 | https%//doi-org/10-1057/s41599&023&01645&7 1 1234567890; सामग्री स्प्रिंगर नेचर के सौजन्य से, उपयोग की शर्तें लागू होती हैं। अधिकार सुरक्षित। 2019

2. यूं. बी. (2019) एक रुख अपनानाः व्यावसायिक विकास पर बंडुरा और वायगोत्स्की। शिक्षा में अनुसंधान, 105(1), 74—88.

3. गाजील, एच.एच., और इफंती, ए.ए. (2014) शिक्षकों का मूल्यांकन और उनकी अनुमानित प्रभावशीलता और प्रभावकारिता मान्यताओं पर इसका प्रभावः इजराइल में प्राथमिक शिक्षकों का मामला। पाठ्यचर्या और शिक्षण, 29(1), 37—52.

4. ग्रीन, ए.एम., और मुनोज, एम.ए. (2016) शहरी स्कूलों में नए शिक्षक संतुष्टि के भविष्यवक्ताः व्यक्तिगत विशेषताओं, सामान्य नौकरी पहलुओं और शिक्षक—विशिष्ट नौकरी पहलुओं के प्रभाव। जर्नल ऑफ स्कूल लीडरशिप, 26(1), 92—123.

5. हेंज. कोहुत, एच. (2013)। स्वयं का विश्लेषणः आत्मकामी व्यक्तित्व विकारों के मनोविश्लेषणात्मक उपचार के लिए एक व्यवस्थित दृष्टिकोण, शिकागो विश्वविद्यालय प्रेस.

6. इल्गन, ए., पारिलो, ओ., और सुंगु, एच. (2015) प्रधानाध्यापकों के निर्देशात्मक पर्यवेक्षण व्यवहार के आधार पर शिक्षक की नौकरी से संतुष्टि की भविष्यवाणीः तुर्की शिक्षकों का एक अध्ययन। आयरिश शैक्षिक अध्ययन, 34(1), 69—88

7. मिशेल, आर.एम., केंसलर, एल., और त्स्चौनन—मोरन, एम. (2018) छात्रों का शिक्षकों पर भरोसा और सुरक्षा के बारे में छात्रों की धारणाः स्कूल के साथ छात्रों की पहचान के सकारात्मक भविष्यवक्ता। शिक्षा में नेतृत्व का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 21(2), 135—154

8. जैक्सन, टी.ओ., ब्रायन, एम.एल., और लार्किन, एम.एल. (2016) शहरी स्कूल के संदर्भ में नस्ल और छोटे बच्चों पर एक श्वेत, पूर्व—सेवा शिक्षक के विचारों का विश्लेषण। शहरी शिक्षा, 51(1), 60—81.

9. इल्गन, ए., पारिलो, ओ., और सुंगु, एच. (2015) प्रधानाध्यापकों के अनुदेशात्मक पर्यवेक्षण व्यवहार के आधार पर शिक्षक की नौकरी से संतुष्टि की भविष्यवाणीः तुर्की शिक्षकों का एक अध्ययन। आयरिश शैक्षिक अध्ययन, 34(1), 69—88

10. मिशेल, आर.एम., केंसलर, एल., और त्स्चौनन—मोरन, एम. (2018)। छात्रों का शिक्षकों पर भरोसा और सुरक्षा के बारे में छात्रों की धारणाः स्कूल के साथ छात्रों की पहचान के सकारात्मक भविष्यवक्ता। शिक्षा में नेतृत्व का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 21(2), 135—154